# Post-Event Report

| | |
|---|---|
| **Event** | शख़्सियत से मुलाक़ात |
| **Topic** | साहित्य, संस्कृति, मीडिया और युवावर्ग में मानसिक शक्तियों की भूमिका |
| **Organizer** | हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' |
| **Date** | 15 फरवरी, 2023 |
| **Time** | 12:30 बजे दोपहर से |
| **Duration** | 02:30 घंटे |
| **Place/Platform** | कॉलेज परिसर |
| **Number of Participants** | 70 |
| **Guest Speaker/Trainer** | डॉ. हरनेक सिंह गिल |
| **Welcome Speech** | डॉ. अमरजीत कौर |
| **Introduction to the Speaker** | डॉ. रेणु दुग्गल |

**Activities**

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2023, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा 'शख़्सियत से मुलाक़ात' शृंखला को प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हरनेक सिंह गिल 'पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज थे। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम संयोजक 'डॉ. रेणु दुग्गल' ने अपने स्वागत वक्तव्य के साथ किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य प्रो. गुरमोहिंदर सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साहित्य, संस्कृति, मीडिया और युवावर्ग में मानसिक शक्तियों की भूमिका की जरुरत को लेकर बात की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी एवं शिक्षकों द्वारा डॉ. हरनेक सिंह गिल से पूछे गए प्रश्नों का जबाब उन्होंने बड़ी बारीकी से दिया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के सभी विभागों के प्राध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहें। अंत में विभाग प्रभारी डॉ. रेणु दुग्गल ने औपचारिक रूप से सबका धन्यवाद किया।

Main Ideas

डॉ. हरनेक सिंह गिल ने 'साहित्य, संस्कृति, मीडिया और युवावर्ग में मानसिक शक्तियों की भूमिका' विषय पर अपने वक्तव्य को शुरु करते हुए कहा हमें अपने विचारों और अपने लक्ष्य को जानना ज़रूरी हैं । हमारे जीवन का लक्ष्य सार्थक होना चाहिए। मानव का विकास उसके विचारों और आचरण से होता है। शख्सियत बनने में समय लगता हैं। शख्सियत बनते वक्त नकारात्मक गुणों से बचना चाहिए। पुस्तकालय छात्रों के लिए स्वर्ग है, वहां छात्र को विभिन्न प्रकार की पुस्तकों को पढ़ना चाहिए। छात्रों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि 'वक्त को बर्बाद मत करना, वरना वक्त तुमको बर्बाद कर देगा'। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन में शब्दार्थ का गहरा संबंध होता है, छात्रों को जितने ज्यादा शब्दों के अर्थ पता होंगे उनका वाचन, लेखन कौशल उतना ही समृद्ध होगा । किताबों को पढ़ना ज़रूरी है । ज्ञान ही हमारा विकास करता है। सच्चा मित्र कौन है? सच्चा मित्र वह है, जो हमारी

| |
|---|
| गलतियों का एहसास कराता है और वही हमारा सच्चा गुरु है। नौकरी किसके पास है? बेस्ट माइंड के पास बेस्ट नौकरी है। संबंध कैसे होने चाहिए? संबंध उपजाऊ होने चाहिए । संबंधों में धोखे से बचना चाहिए। संबंधों में स्वार्थ नहीं होना चाहिए। मीडिया विभिन्न घटना, जानकारी, सूचना, मनोरंजन, जागरूकता और विचार की शक्ति प्रदान करता है। हमारा ज्ञान ही हमारे सम्मान का कारण बनता है, ज्ञान जीवन को सरल बनाता है तथा समस्याओं का निवारण करता है। अंत में डॉ. गिल ने कहा YOUR ACTION IS GURU .<br><br>अंत में महेंद्र प्रताप सिंह जी ने आयोजन का समापन करते हुए सभी का धन्यवाद किया। |

| | |
|---|---|
| **Vote of thanks** | डॉ. रेणु दुग्गल, डॉ. अमरजीत कौर |

**Attendance and Feedback link**

**Poster (Attach below)**

**Pictures (Attach Five Photos)**

**Signature:** Renu Duggal

**Name:** डॉ. रेणु दुग्गल

**(Convenor)**